

काशी में 150 करोड़ का निवेश, कपड़ा उद्योग का विस्तार, महिलाओं को रोजगार की सौगात

सुरेश गांधी वाराणसी। पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था को औद्योगिक मजबूती देने और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलने की दिशा में रविवार को एक अहम कदम बढ़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिजामुराद के खोचवा में गुजरात की प्रतिष्ठित कपड़ा निमाता कंपनी अरविंद लिमिटेड के लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से तैयार मैनुफैक्चरिंग प्लांट का लोकार्पण किया। करीब सात से आठ एकड़ में फैली इस इकाई के शुरू होने से काशी के साथ पूर्वांचल में परिधान निर्माण उद्योग की गति मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि इस इकाई में स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। अब तक 300 से अधिक महिलाओं को भर्ती कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने प्लांट के शुभारंभ के बाद वहां काम सीख रही महिलाओं से संवाद किया। उनके काम, प्रशिक्षण,

♦पीएम मोदी ने अरविंद लिमिटेड के मैनुफैक्चरिंग प्लांट का किया लोकार्पण, 300 से अधिक महिलाओं को मिला प्रशिक्षण का अवसर
♦खोचवा में स्पोर्ट्सवियर और अंडरगारमेंट का होगा उत्पादन, जॉकी-यूएस पोलो और एरो जैसे ब्रांडों के कपड़े बनेंगे

अनुभव और कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने इकाई में तैयार किए जा रहे परिधानों और कपड़ों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कंपनी के अधिकारियों से उत्पादन प्रक्रिया, कपड़ों की गुणवत्ता और इस्तेमाल होने वाले मैटेरियल के बारे में जानकारी ली।

दो चरणों में बढ़ेगा उत्पादन, रोजगार की उम्मीदें बढ़ीं: पूर्वांचल में अरविंद लिमिटेड की यह प्रमुख विनिर्माण इकाई क्षेत्रीय औद्योगिक विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कंपनी की योजना के अनुसार, प्लांट का विस्तार दो



चरणों में किया जाना है। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। हालांकि, कुल रोजगार सृजन का वास्तविक आंकड़ा उत्पादन क्षमता और विस्तार की समयसीमा स्पष्ट होने के बाद ही सामने आएगा। इकाई में स्पोर्ट्सवियर, अंडरगारमेंट और अन्य परिधानों का निर्माण प्रस्तावित है। जॉकी, यूएस पोलो और एरो जैसे ब्रांडों के लिए परिधान उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां यहां संचालित होंगी। इससे स्थानीय स्तर पर कपड़ा और परिधान निर्माण की आपूर्ति शृंखला विकसित होने की संभावना है। उत्पादन बढ़ने के साथ पैकेजिंग,

परिवहन, रखरखाव और अन्य सहायक सेवाओं में भी काम के अवसर पैदा हो सकते हैं।

महिलाओं के हुनर को मिलेगा औद्योगिक मंच: इस परियोजना का एक प्रमुख पक्ष महिला रोजगार है। इकाई में 300 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे स्थानीय महिलाओं को घर के आसपास रोजगार पाने और औद्योगिक कार्यकुशलता विकसित करने का अवसर मिलेगा। परिधान उद्योग में सिलाई, गुणवत्ता जांच, उत्पादन प्रबंधन और अन्य कार्यों के लिए प्रशिक्षित कामगारों की जरूरत होती है। ऐसे में प्रशिक्षण से

जरिए कौशल विकास और नियमित रोजगार के अवसर मिलें। महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से परिवारों की आय और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

कपड़े से तैयार परिधान तक अरविंद की पहचान: अरविंद लिमिटेड की शुरुआत वर्ष 1931 में अहमदाबाद में हुई थी। कंपनी कपड़ा निर्माण के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय है। डेनिम, सूती और लिनेन के कपड़ों के अलावा यह विभिन्न प्रकार के फैब्रिक और परिधानों के कारोबार से जुड़ी है। कंपनी का कारोबार घरेलू बाजार के साथ अंतरराष्ट्रीय परिधान आपूर्ति शृंखला तक फैला है। खोचवा में नई इकाई शुरू होने से पूर्वांचल को बड़े परिधान निमाताओं की उत्पादन शृंखला से जोड़ने का अवसर मिलेगा। यदि स्थानीय स्तर पर पर्याप्त प्रशिक्षण, नियमित उत्पादन और आपूर्तिकताओं का नेटवर्क विकसित होता है, तो इसका लाभ छोटे

युद्ध कहीं भी हो, असर पूरी दुनिया पर पड़ता है: जयशंकर

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को आतंकवाद और दुनिया में चल रहे संघर्षों को लेकर भारत का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को राज्य की नीति के एक साधन के तौर पर इस्तेमाल करना पूरी तरह गलत और अस्वीकार्य है। उन्होंने साफ कहा कि आतंकवाद को कभी सही नहीं ठहराया जा सकता। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने दुनिया में शांति, बातचीत और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत पर बात की।



खतरे के प्रति अधिक सतर्क और जागरूक होना चाहिए और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करने के लिए अधिक दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट होना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया के सभी देशों आतंकवाद के खिलाफ मिलकर और मजबूती से खड़ा होना होगा। जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि इतिहास से कई सबक मिलने के बावजूद कुछ देश अब भी राजनीतिक फायदे और नुकसान को ज्यादा महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भारत मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों को नेस्तनाबूद कर देगा। उन्होंने इसके साथ ही ऑपरेशन ट्राइडेंट की सराहना की जिसके तहत असम, मिजोरम और मणिपुर में एक साथ की गई छापेमारी में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 1,424 बैक खातों को फ्रीज किया गया है। इस कार्रवाई में 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन का खुलासा हुआ। इसके साथ ही गृह मंत्री ने कहा कि इस साल की शुरुआत में म्यांमा स्थित मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के सरगना की गिरफ्तारी से उसकी वित्तीय और परिचालन संबंधी रीढ़ तोड़ दी गई। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत, म्यांमा और बांग्लादेश में सक्रिय मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह को



म्यांमा और बांग्लादेश की सीमाओं के पार मादक पदार्थों की तस्करी करता था। केन्द्रीय गृह मंत्री ने तीनों राज्यों की पुलिस और केन्द्रीय एजेंसियों की मादक पदार्थ रोधी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह अभियान 31 दिसंबर 2029 तक मादक पदार्थों के हर नेटवर्क को खत्म करने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा, भारत मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों के ताबूत में आखिरी कील ठोकने तक प्रहार करता रहेगा। ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत स्वापक

नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी और वित्तीय गिरोह को निशाना बनाते हुए असम, मिजोरम और मणिपुर में 38 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस अभियान में 38 टीमों ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के परिचालन और वित्तीय तंत्र को ध्वस्त करना था। इस गिरोह का नेतृत्व म्यांमा स्थित सरगना थांगसिंतुआंग उर्फ चिंतुआंग उर्फ त्तुआंग कर रहा था।

पूर्व जज संजय किशन कौल के संस्मरण पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। कांग्रेस ने रविवार को उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय किशन कौल के अप्रकाशित संस्मरण का उल्लेख करते हुए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में न्यायापालिका की स्वतंत्रता को लेकर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि संविधान की रक्षा नकले वाली संस्था

को सत्ता में बैठे लोगों के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक मीडिया रिवीट साझा की जिसमें कौल के संस्मरण विदाउट फियर ऑफ फेवर की प्रकाशन-पूर्व पांडुलिपि का हवाला देते हुए कहा गया कि नियुक्तियों के मामले में पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ सरकार के प्रति कुछ ज्यादा



ही विनम्र थे। रमेश ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की किताबों ने मोदी सरकार के कार्यकाल में न्यायापालिका की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, नियुक्तियों में सरकार की दखलंदाजी, कॉलेजियम की बैठक से पहले ही सरकार की मंजूरी लेने की कोशिश और अल्पसंख्यक समुदाय के एक न्यायाधीश के नाम पर उनकी जाति को लेकर सरकार के बेतुके सवाल - न्यायमूर्ति कौल ने इन घटनाओं का जिक्र किया है।

'कन्नड़ लोगों को नौकरी से दूर रखा तो होगी कार्रवाई', आईटी कंपनियों को सीएम की चेतावनी बंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डॉ. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि अगर निजी संस्थान राज्य में कन्नड़ लोगों को जानबूझकर नौकरी के अवसर नहीं देते हैं, तो सरकार उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि कन्नड़ लोगों के अधिकारों, सम्मान और रोजगार के अवसरों को अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिवकुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कन्नड़ लोगों को नजरअंदाज किए जाने की शिकायतों को सरकार ने गंभीरता से लिया है। उनके अधिकारों, सम्मान और अवसरों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनकर दुख होता है कि बंगलूरू की आईटी कंपनियों में कन्नड़ लोगों को नौकरी के अवसर नहीं दिए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। स्थानीय कन्नड़ भाषी लोगों को नजरअंदाज किए जाने के मुद्दे को सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में कन्नड़ लोगों का सर्वोच्च स्थान है। सरकार किसी भी कारण से कन्नड़ लोगों के अधिकारों, सम्मान और अवसरों की अनदेखी नहीं होने देगी। शिवकुमार ने कहा कि बंगलूरू को दुनियाभर में भारत की तकनीकी राजधानी के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य को कन्नड़ लोगों की प्रतिभा, कौशल और क्षमताओं पर बहुत गर्व है।



DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, प्लांट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37

- * Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
- * बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
- * वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
- * DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
- * NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
- * चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
- * एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
- * पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
- * मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
- * विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
- * मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध







मेवा भारती जौनपुर, काशी प्रांत
हाथ आयोजित

श्री राम कथा

दिनांक : 21 अक्टूबर 2026 से 29 अक्टूबर 2026

स्थान - बी. आर.पी. इंटर कॉलेज मैदान, जौनपुर

कथा समय - अपराह्न 3 बजे से सांय 6 बजे तक

भव्य कलश यात्रा एवं झांकी

दिनांक : 20 अक्टूबर 2026, सुबह 09:00 बजे से

हनुमान घाट से केरारवीर मंदिर चहारसू चौराहा ओलन्दगंज, पॉलिटेक्निक चौराहा, वाजिदपुर तिराहा, बी.आर.पी. इण्टर कॉलेज, मैदान

कथा व्यास : परम पूज्य आचार्य शान्तनु जी महाराज

आप सभी रामचरणानुगामी भक्तजन सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य आयोजक

ज्ञान प्रकाश सिंह

लोकतंत्र बचाओ, भ्रष्टतंत्र हटाओ: जनादेश से जनजागरण तक



1. अभियान का ध्येय
जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी है। भारतीय जनता पार्टी का लोकतंत्र बचाओ, भ्रष्टतंत्र हटाओ अभियान देश की राजनीतिक चेतना को एक स्पष्ट दिशा देता है कि जनादेश का सम्मान, पारदर्शी शासन और जवाबदेह व्यवस्था। लोकतंत्र केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं; यह नागरिक के अधिकार, उसकी गरिमा

और उसकी आवाज को महत्व देने वाली जीवन-पद्धति है। जब भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, सत्ता का दुरुपयोग और जनता को भ्रमित करने वाली राजनीति व्यवस्था पर हावी होने लगे, तब लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनजागरण आवश्यक हो जाता है। भाजपा इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को सुशासन और स्वच्छ सार्वजनिक जीवन के संकल्प से जोड़ रही है।

2. असहमति का अधिकार, अराजकता की सीमा विरोध लोकतंत्र की आवाज है; संविधान उसकी मर्यादा।

सरकार से सवाल करना, नीतियों की आलोचना करना और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हर नागरिक का अधिकार है। भाजपा इस अधिकार का सम्मान करती है। लेकिन विरोध के नाम पर सार्वजनिक जीवन बाधित करना, संस्थाओं को काम न करने देना या बिना प्रमाण पूरे लोकतांत्रिक ढाँचे को कटघरे में खड़ा करना दूसरी बात है। जनभावना का सम्मान आवश्यक है, पर सड़क पर जुटी भीड़ अपने आप पूरे देश का जनादेश नहीं बन जाती। “The ballot is stronger than the barricade.” मतपत्र की ताकत को दबाव और शोर से कमतर नहीं आँका जा सकता।

3. एसआईआर: आँकड़े, आरोप और वास्तविकता आरोप बढ़ा हो तो प्रमाण भी ठोस होना चाहिए।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुररीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष लगभग 13 करोड़ नाम हटाए जाने का आरोप लगा रहा है। निर्वाचन आयोग के आँकड़ों पर आधारित Reuters की रिपोर्ट में इन प्रविष्टियों को अलग-अलग श्रेणियों में बताया गया है: लगभग 2.8 करोड़ मृत मतदाता, 6.3 करोड़ स्थानांतरित लोग, 1 करोड़ गलती प्रविष्टियाँ और 3 करोड़ ऐसे लोग जिनका पता नहीं चल सका। इसलिए कुल हटाई गई प्रविष्टियों को सीधे 13 करोड़ पात्र मतदाताओं के वोट काट दिए गए कहना आँकड़े का पूरा अर्थ नहीं बताता। फिर भी, किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हटे तो उसकी शिकायत की सुनवाई और नाम जोड़ने की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए। भाजपा मतदाता सूची की शुद्धता और हर पात्र नागरिक के मताधिकार दोनों के पक्ष में है।

4. जनादेश को नारे से नहीं, प्रमाण से चुनौती दें “The facts must speak louder than the slogans.”

विपक्ष को एसआईआर पर सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। लेकिन सवाल का उत्तर भी तथ्य, दस्तावेज और निर्धारित प्रक्रिया से ही मिलेगा। किस मतदाता का नाम छूटा, किस कारण से छूटा, शिकायत कब की गई और उस पर क्या कार्रवाई हुई—ऐसे विशिष्ट प्रश्नों से ही समस्या का समाधान निकलेगा। “Extraordinary claims require extraordinary evidence.” असाधारण आरोपों के लिए असाधारण प्रमाण चाहिए। किसी शिकायत की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन शिकायतों की जाँच से पहले पूरे चुनाव को चोरी घोषित करना भी न्यायसंगत नहीं। भाजपा का आग्रह है कि हर दावा जाँच के लिए प्रस्तुत हो और हर वास्तविक त्रुटि सुधारी जाए।

5. चुनावी परिणाम और जनता का फैसला
जनादेश का सम्मान लोकतंत्र की पहली शर्त है।

2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 206 सीटें जीतीं और असम में 82 सीटों पर विजय प्राप्त की। असम में सहयोगियों के साथ एनडीए ने बहुमत हासिल किया, जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा पहली बार सरकार बनाने की स्थिति में पहुँची। विपक्ष इन परिणामों पर सवाल उठा सकता है, लेकिन चुनावी फैसले को चुनौती देने के लिए प्रमाण और वैधानिक रास्ता आवश्यक है। “The proof of the pudding is in the eating.” जनता के सामने आया परिणाम राजनीतिक असहमति से मिटाया नहीं जा सकता; उसकी वैधता पर प्रश्न हो तो उसका परीक्षण कानून और संस्थागत प्रक्रिया के भीतर होना चाहिए।

6. संस्थाओं पर सवाल और सत्ता बदलने की माँग लोकतंत्र में सत्ता का रास्ता जनता से होकर जाता है।

विभिन्न विरोध प्रदर्शनों में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की माँग और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे सामने आए हैं। बिहार में विपक्षी दलों ने 2025 के विधानसभा चुनाव रद्द कर नए चुनाव कराने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की माँग की। निर्वाचन आयोग की आलोचना की जा सकती है, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की नीतियों का भी विरोध हो सकता है। लेकिन चुनी हुई सरकार के जनादेश को अमान्य बताने या संवैधानिक पदाधिकारियों को हटाने की माँग का आधार भी संविधान के प्रावधान ही होने चाहिए। चुनावी हार—जीत का समाधान नारे से नहीं, मतदाता और कानूनसम्मत प्रक्रिया से निकलता है।

7. भ्रष्टतंत्र के विरुद्ध सुशासन का संकल्प सत्यमेव जयते।

लोकतंत्र बचाओ, भ्रष्टतंत्र हटाओ अभियान का लक्ष्य केवल गलतियों की आलोचना करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में काम करना है। भ्रष्टाचार तब भी दिखता है जब नागरिक को उसका अधिकार पाने के लिए भटकना पड़े, सार्वजनिक धन का दुरुपयोग हो या शिकायत बिना उत्तर के पड़ी रहे। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से नागरिकों तक अधिकृत जानकारी पहुँचाने, मतदाता सूची में नाम जाँचने में सहायता करना और शिकायतों को संबोधित करने का प्रयास है। लोकतंत्र बचाओ, भ्रष्टतंत्र हटाओ का संदेश स्पष्ट है कि मताधिकार सुरक्षित रहे, संस्थाएँ जवाबदेह रहें, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई हो और जनादेश का सम्मान किया जाए। यही लोकतंत्र की रक्षा है; यही राष्ट्रहित का मार्ग है।

8. युवाओं से राष्ट्रचिंतन का आह्वान न हि ज्ञानेन सशं प्रतिगृहीत विद्यते।

युवाओं का विवेक ही लोकतंत्र को अफवाह और उकसावे से बचा सकता है। वे हर दावे का स्रोत पूछें, आँकड़े और आरोप में अंतर समझें और किसी भी पक्ष को बिना जाँच अंतिम सत्य न मानें। भाजपा का यह अभियान उन्हें नागरिक बहस, असहमत और सुशासन के कानों से जोड़ने का प्रयास है। लोकतंत्र बचाओ, भ्रष्टतंत्र हटाओ का संदेश स्पष्ट है कि मताधिकार सुरक्षित रहे, संस्थाएँ जवाबदेह रहें, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई हो और जनादेश का सम्मान किया जाए। यही लोकतंत्र की रक्षा है; यही राष्ट्रहित का मार्ग है।

—प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी, मुंबई
सह-संयोजक, राष्ट्र चिंतन संवाद

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के बीच ई-वेंट ने मैनुफैक्चरिंग विस्तार की दिशा में बढ़ाया कदम

पटना। भारत में इलेक्ट्रिक व्ीलर्स की बढ़ती मांग के बीच ई-वेंट ने अपनी मैनुफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कंपनी अपनी मैनुफैक्चरिंग सुविधा के आकार और उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है, जिससे बढ़ती ग्राहक मांग और डीलर ऑर्डर्स को पूरा किया जा सके। कंपनी के अनुसार, टियर 1, टियर 2 और टियर 3 शहरों में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लेकर रुचि बढ़ रही है। कुछ ऐसे डीलर्स भी देवारा ई-वेंट से जुड़ रहे हैं, जिन्होंने पहले अन्य ईवी ब्रांड्स के साथ काम किया था। ई-वेंट के फाउंडर उमंग सरावगी ने कहा, ह्यूग्राहकों की पुष्टताओं और खरीदारी में बढ़ोतरी को देखते हुए मैनुफैक्चरिंग क्षमता का विस्तार एक रणनीतिक कदम है। हमारा प्रमुख बढ़ती मांग को गुणवत्ता और डिलीवरी टाइमलाइन से समझौता किए बिना पूरा करने पर है। कंपनी मैनुफैक्चरिंग विस्तार के साथ अपने डीलर नेटवर्क को मजबूत करने और ग्राहकों के लिए बेहतर उपलब्धता व सर्विस सुनिश्चित करने पर भी काम कर रही है।



अशोक भाटिया

24 अक्टूबर को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने अपने स्थापना दिवस की 65वीं वर्षगांठ मनाई है, जो भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उसके अडिग संकल्प को दर्शाती है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईटीबीपी के जांबाज 'हिमवीरों' को बधाई देते हुए उनके असाधारण शौर्य और पराक्रम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में विशेष रूप से रेखांकित किया कि आईटीबीपी के इन वीर जवानों ने हमेशा खुद को असाधारण वीरता के माध्यम से साबित किया है और हर चुनौती का सामना एक अनुकरणीय व अटूट दृढ़ संकल्प के साथ किया है। उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रति

इन जवानों की यह निस्वार्थ सेवा और सर्वोच्च बलिदान संपूर्ण राष्ट्र के लिए एक महान और अटूट प्रेरणा का स्रोत है। शून्य से भी कई डिग्री नीचे के हाड़ कपाने वाले तापमान, भयानक बर्फालें तुफानों और 18,000 फीट तक की अत्यंत दुर्गम चोटियों पर तैनात आईटीबीपी के जवानों की जमीन हड़पने और द्विपक्षीय समझौतों को दरकिनार कर 'यथास्थिति' को एकरतर्फा बदलने के पुराने ढर्रे पर आधारित रही है। सन 1962 के धोखेबाज आक्रमण से लेकर 2020 के गलवान संघर्ष और उसके बाद की लंबी सैन्य तनातनी तक, बीजिंग का एक ही ढर्रा रहा है कि कूटनीतिक मेज पर शांति का ढोंग रचाया जाए और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चुपके से सैन्य बुनियादी ढांचे का विस्तार करके नया दावा तोक दिया जाए। चीन की इस विस्तारवादी नीति में बड़े पैमाने पर सैनिकों का जमावड़ा करना, विवादित या बिना सीमांकन वाले क्षेत्रों में बेकूर, पुल, हवाई पट्टियां बनाना और सीमावर्ती मॉडल गांव बसाकर स्थायी अतिक्रमण करना शामिल रहा है। चीन का पुराना ढर्रा

तैनात आईटीबीपी के ये हिमवीर आज चीन के दशकों पुराने विस्तारवादी ढर्रे के मुकाबले भारत की सामरिक आत्मनिर्भरता और अदम्य साहस की सबसे मजबूत अग्रिम दीवार बनकर खड़े हैं। यह वर्षगांठ केवल एक विशिष्ट सुरक्षा बल के शौर्य का उत्सव नहीं है, बल्कि यह बीजिंग की भू-राजनीतिक चालाकियों के सामने है, दिल्ली के उस बदलते रक्षा प्रतिमान और नए रणनीतिक संकल्प की हुंकार है जो अब किसी भी प्रकार के बाहरी दबाव के आगे घुटने टेकने को तैयार नहीं है।

चीन की सामरिक संस्कृति हमेशा से 'सलामी स्लाइसिंग' यानी किशतों में पड़ोसियों की जमीन हड़पने और द्विपक्षीय समझौतों को दरकिनार कर 'यथास्थिति' को एकरतर्फा बदलने के पुराने ढर्रे पर आधारित रही है। सन 1962 के धोखेबाज आक्रमण से लेकर 2020 के गलवान संघर्ष और उसके बाद की लंबी सैन्य तनातनी तक, बीजिंग का एक ही ढर्रा रहा है कि कूटनीतिक मेज पर शांति का ढोंग रचाया जाए और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चुपके से सैन्य बुनियादी ढांचे का विस्तार करके नया दावा तोक दिया जाए। चीन की इस विस्तारवादी नीति में बड़े पैमाने पर सैनिकों का जमावड़ा करना, विवादित या बिना सीमांकन वाले क्षेत्रों में बेकूर, पुल, हवाई पट्टियां बनाना और सीमावर्ती मॉडल गांव बसाकर स्थायी अतिक्रमण करना शामिल रहा है। चीन का पुराना ढर्रा

हमेशा इस धारणा पर काम करता था कि भारत कूटनीतिक बयानों और रक्षात्मक प्रतिक्रियाओं तक ही सीमित रहेगा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस पुरानी और ऐतिहासिक हिचकिचाहट को पूरी तरह से त्याग दिया है।

आज का भारत बीजिंग को उसी की सैन्य और कूटनीतिक भाषा में दौटुक जवाब दे रहा है, जिसका सीधा संदेश है कि भारत शांति का प्रबल समर्थक है लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की कीमत पर किसी भी प्रकार का समझौता कभी नहीं करेगा। भारत का यह नया संकल्प सीमाओं पर केवल सैन्य तैनाती



बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक अभूतपूर्व रणनीतिक आधुनिकीकरण शामिल है। भारत ने डारबुक-श्योक-दलैल बेग ओल्डी सड़क, जोजिला टनल और अटल टनल जैसी कई महत्वपूर्ण और हर मौसम में चालू रहने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को रिकॉर्ड गति से पूरा किया है, जिससे अब भारतीय सेना और आईटीबीपी के जवानों की सीमा तक पहुंच कुछ ही घंटों में संभव हो गई है। इसके साथ ही चीन के मॉडल गांवों के जवाब में भारत ने 'वाइब्रेट विलेजेस प्रोग्राम' शुरू किया है, जिसके तहत सीमावर्ती गांवों में

सऊदी अरब में व्यभिचार के जुर्म में फांसी से उपजे सवाल



-तनवीर जाफरी

दृष्टिकोण से इस सजा को उनके देश के कानूनों के अनुसार उचित माना गया है। फांसी देने के बाद सऊदी गृह मंत्रालय ने अपने देश को पले या दूसरों के मस्जिदों को पवित्रता व मर्यादा का उल्लंघन करने वाले या दूसरों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ इस्लामी शरीया कानून सख्ती से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी ऐसा अपराध करेगा उसका अंजाम यही होगा। सऊदी अरब का मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में उसे अपने देश की सीमाओं के भीतर अपने कानूनों को लागू करने का पूरा अधिकार है। गौरतलब है कि वहाँ की न्याय प्रणाली पूरी तरह से इस्लामी शरिया कानून पर आधारित है।

परन्तु इस घटना के बाद

बांग्लादेश और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक तनाव गहरा गया है। बांग्लादेश सरकार और जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास को इस फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना या जानकारी नहीं थी। हालांकि गत सितंबर में सऊदी अरब द्वारा साझा की गई 2,500 कैदियों की सूची में इन दोनों के नाम जरूर थे परन्तु उनके नाम के साथ उन्हें दी जाने वाली मौत की सजा का कोई जिक्र नहीं था। बल्कि गोपनीय दस्तावेजों के मुताबिक स्वीटी अख्तर पर 'व्यभिचार' और नजरूल इस्लाम पर 'साइबर अपराध' के अलग-अलग आरोप दर्ज थे। इसीलिये बांग्लादेश ने इस रंगुण फांसीर पर गंभीर आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम और रायच मंजी शमा आबैद इस्लाम ने कहा कि 'विनया कन्वेंशन ऑन कॉन्सुलर रिलेशंस' के तहत यदि किसी विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया जाता है या मौत की सजा दी जाती है, तो उसकी जानकारी संबंधित देश के दूतावास को देना अनिवार्य है। परन्तु सऊदी अरब ने बांग्लादेशी वाणिज्य दूतावास को सूचित किए बिना गुपचुप तरीके से फांसी दी इसलिये

इसे राजनयिक स्तर पर पूरी तरह अनुचित माना गया है। इसीलिये ढाका ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब से अदालतीफैसलों की प्रतियां, अपराधों का पूरा विवरण और बिना सूचना दिए फांसी देने का कारण पूछा है। बांग्लादेश में जनता में भी इस घटना को लेकर गहरा दुख और आक्रोश है। स्थानीय सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में इस संबंध में अपनी सरकार की 'निष्क्रियता' पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहां के लोग इस घटना की तुलना श्रीलंका के नागरिक 'अनोजन सिसावरा' के मामले से कर रहे हैं, जिसकी ईश निंदा की मौत की सजा को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव के बाद सऊदी अरब ने इसी महीने रद्द कर दिया था। इसके अतिरिक्त एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी वैश्विक संस्थाओं ने भी सऊदी अरब के न्यायिक प्रणाली और मृत्युदंड के बढ़ती दरों पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की है कि बिना पारदर्शी अदालती कार्यवाही, बिना उचित कानूनी प्रतिनिधित्व के, और गुप्त रूप से विदेशी नागरिकों को फांसी देना मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। गौरतलब है कि सऊदी अरब में वर्तमान में करीब 35 लाख

बांग्लादेशी प्रवासी मजदूर रहते हैं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए प्रेषित धन का मुख्य माध्यम हैं। इस घटना के चलते बांग्लादेश सरकार के सामने अपने नागरिकों की सुरक्षा और सऊदी के साथ अपने मजबूत आर्थिक व धार्मिक संबंधों को संतुलित रखने की एक बड़ी कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। मक्का क्षेत्र व विशेष से इसके अंतर्गत अपने वाली मस्जिदों की पवित्रता निश्चत रूप से सर्वोपरि है परन्तु इस विशेष घटनाक्रम को लेकर एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे संगठनों ने न केवल सऊदी अरब की मृत्युदंड प्रणाली को बेहद गोपनीय और अपारदर्शी बताया है। बल्कि आरोपियों को निष्पक्ष सुनवाई, उचित कानूनी प्रतिनिधित्व और पीड़ित पक्ष को अपनी रक्षा के लिए राजनयिक मदद लेने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलने का भी आरोप लगाया है। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार यदि मृत्युदंड दिया भी जाये तो इसे केवल रसबसे गंभीर अपराधों जैसे रानबूझकर की गई हत्या के लिए ही होना चाहिए। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का तर्क है कि 'अनैतिक कृत्य' का 'व्यभिचार' जैसे आरोपों के लिए किसी की जान ले लेना मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है।

निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र कि अक्षुण आधारशिला’ राजनीतिक दृष्टि तथा दृष्टिकोण

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। करोड़ों मतदाताओं द्वारा यहां चुनाव से अपने विधायक,सांसद, मंत्री मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री तक का चुनाव किया जाता है। लाजमी है कि यहां विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह अपेक्षा की जाती है की सभी स्तर के चुनाव निष्पक्ष शांतिपूर्ण तथा वैधानिक तरीके से संपन्न किया जाए जिससे जनता को सही तथा समुचित प्रतिनिधित्व मिल सके। चुनाव केवल प्रतिनिधित्व के चयन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि विविधताओं से भरे समाज की आकांक्षाओं, असहमतियों और अधिकारों की अभिव्यक्ति भी हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग को सौंपता है। वहाँ, अनुच्छेद 326 वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को आधार प्रदान करता है। इन संवैधानिक व्यवस्थाओं का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत समान महत्व रखे और सत्ता का निर्धारण जनता की स्वतंत्र इच्छा से हो। हालांकि, संवैधानिक प्रावधानों की वास्तविक सफलता उनके निष्पक्ष क्रियान्वयन से ही सिद्ध होती है।

रलोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन है। लिंकन का यह प्रसिद्ध कथन लोकतंत्र के सार को पूरी तरह स्पष्ट करता है। लेकिन लोकतंत्र की इस महान इमारत की नींव किस पर टिकी है? इसका उत्तर है। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और सामूहिक इच्छाशक्ति का सबसे बड़ा उत्सव हैं। जब चुनाव निष्पक्ष होते हैं, तो हर नागरिक की आवाज गूंजती है, और जब इनमें धांधली होती है, तो लोकतंत्र अपनी आत्मा खो देता है। हम निष्पक्ष चुनाव के विविध नजरियों, इसके दार्शनिक पहलुओं, महारूपों के विचारों और विदेशी राजनेताओं के नजरिया और दृष्टिकोण की बात करें तो यह मुद्दा काफी विस्तार से चर्चा करने लायक है।निष्पक्ष चुनाव का अर्थ केवल इतना नहीं है कि मतदान के दिन कोई हिंसा न हो। इसके दायरे में बहुत सी बातें आती हैं:

समान अवसर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को प्रचार करने, मीडिया तक पहुँचने और अपनी बात जनता तक पहुँचाने के समान अवसर मिलने चाहिए। मतदाता सूची से लेकर मतगणना तक की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। चुनाव कराने वाली संस्था किसी भी राजनीतिक दबाव से पूरी तरह मुक्त होनी चाहिए।सविधान निमार्ताओं ने भी इस बात को समझा था। भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था:

रसविधान किनता भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे लागू करने वाले लोग बुरे साबित हुए, तो संविधान भी बुरा साबित होगा।र यह बात चुनावों



संजीव ठाकुर

पर भी पूरी तरह लागू होती है। चुनाव प्रक्रिया किन्तनी भी कानूनी रूप से मजबूत क्यों न हो, अगर उसे

समान अवसर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को प्रचार करने, मीडिया तक पहुँचने और अपनी बात जनता तक पहुँचाने के समान अवसर मिलने चाहिए। मतदाता सूची से लेकर मतगणना तक की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। चुनाव कराने वाली संस्था किसी भी राजनीतिक दबाव से पूरी तरह मुक्त होनी चाहिए।सविधान निमार्ताओं ने भी इस बात को समझा था। भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था।

संचालित करने वाले या उसमें भाग लेने वाले लोग नैतिक रूप से भ्रष्ट हो जाएं, तो निष्पक्षता खरबें में पड़ जाती है। दुनियाभर के महान विचारकों और नेताओं ने चुनावों की पवित्रता और निष्पक्षता पर जोर दिया है।

महात्मा गांधी नैतिकता और राजनीति को अलग-थलग नहीं मानते थे। उनका मानना था कि साधन और साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए। यदि चुनाव जीतने के साधन भ्रष्ट जैसे धनबल और बाहुबल का प्रयोग हैं, तो मिलने वाली जीत का कोई नैतिक मूल्य नहीं होगा। गांधीजी के अनुसार, सच्चा लोकतंत्र तभी आ

रमतदान पत्र बंदूक की गोली से अधिक शक्तिशाली होता है।निष्पक्ष चुनाव का मुद्दा केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक लोकतंत्र की सेहत का पैमाना है।ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने लोकतंत्र के बारे में कहा था: ङ्लोकतंत्र सरकार का सबसे खराब रूप है, सिवाय उन सभी अन्य रूपों को छोड़कर जिन्हें समय-समय पर आजमाया गया है।ह चर्चिल का यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी इसके चुनाव-आधारित स्वरूप की अनिवार्यता को बताता है। ब्रिटेन में

संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ जैसे वैश्विक संस्थान भी यह मानते हैं कि निष्पक्ष चुनाव मानवाधिकार का एक अनिवार्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार घोषणा-पत्र के अनुच्छेद 21 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जनता की इच्छा ही सरकार के प्राधिकार का आधार होगी, और यह इच्छा समय-समय पर होना चाहिए। आज के डिजिटल युग में निष्पक्ष चुनाव के सामने कई नई और जटिल चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं।चुनावों में अत्यधिक धन का खर्च होना निष्पक्षता को प्रभावित करता

है। इससे आम आदमी या गरीब पृष्ठभूमि का व्यक्ति चुनाव लड़ने के बारे में सोच भी नहीं पाता। एल्गोरिदम और दुष्प्रचार के जरिए मतदाताओं के मानस को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है। विदेशी ताकतें या आंतरिक दल भी प्रोपेगैंडा फैलाकर चुनाव के परिणामों को मोड़ने का प्रयास करते हैं। कई देशों में चुनावी निकायों पर राजनीतिक नियंत्रण बढ़ाने की खबरें आती हैं, जिससे निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगते हैं। विभिन्न दार्शनिकों, महारूपों और वैश्विक नेताओं के विचारों का विचार यही है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की रीढ़ हैं। यदि रीढ़ टूट जाएगी, तो लोकतांत्रिक ढांचा धराशायी हो जाएगा।

चुनाव केवल सरकार को चुनने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य का ब्लूप्रिंट तय करते हैं। जैसा कि अमेरिकी राजनीतिज्ञ ब्रायक ओबामा ने अपने एक भाषण में कहा था लोकतंत्र कोई तामाशा देखने की चीज नहीं है, यह भागीदारी की मांग करता है। एक निष्पक्ष चुनाव तभी संभव है जब शासन प्रणाली पारदर्शी हो, निर्वाचन आयोग स्वतंत्र हो और सबसे बड़कर—मतदाता जागरूक और निडर हो। जब मतदाता जाति, धर्म, धन और प्रलोभन से ऊपर उठकर केवल योग्यता और नीतियों के आधार पर वोट देना शुरू कर देगा, तभी धरती पर सच्चे अर्थों में निष्पक्ष चुनाव और वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना होगी।



मीरा रोड के वार्ड 16 में डेंगू की रोकथाम के लिए तत्काल कार्रवाई

♦वेदांता सोसायटी में डेंगू के बढ़ते मामलों के बाद निर्माण स्थल पर दवा का छिड़काव, नगरसेवक नवीन सिंह ने अधिकारियों को दिए निगरानी के निर्देश



तारकेश्वर पांडे/मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के वार्ड क्रमांक 16 स्थित वेदांता सोसायटी में डेंगू के बढ़ते मामलों की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय स्तर पर तत्काल कार्रवाई की गई। सोसायटी के पास स्थित मैजिक होम्स के निर्माण स्थल पर जमा पानी को ध्यान में रखते हुए वहां दवा का छिड़काव कराया गया, ताकि मच्छरों के प्रजनन पर रोक लगाई जा सके और डेंगू के प्रसार को नियंत्रित करने में मदद मिले। इस दौरान भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह मौके पर उपस्थित रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर वार्ड क्रमांक 16 में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की साइटों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही, निर्माण स्थलों पर पानी जमा होने से रोकने, नियमित रूप से आवश्यक उपाय करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होने देने पर जोर दिया। नगरसेवक नवीन सिंह ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए डेंगू की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों से निमाणाधीन स्थलों पर नियमित निरीक्षण करने तथा मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। नागरिकों से भी सतर्क रहने की अपील डेंगू की रोकथाम के लिए घरों, सोसायटियों और निर्माण स्थलों पर पानी जमा नहीं होने देना जरूरी है। नागरिकों से अपील है कि वे अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें और कहीं भी पानी जमा होने या मच्छरों के प्रजनन की आशंका दिखाई देने पर संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दे।

युवा मित्र मंडल बोईसर द्वारा महिलाओं व बच्चों को किया गया सम्मानित



पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पश्चिम के गणेश नगर स्थित अंबिका इंग्लेव, स्वागतम गली में युवा मित्र मंडल की ओर से सार्वजनिक शारदीय नवरात्रोत्सव के पांचवें वर्ष के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नौ दिवसीय नवरात्रोत्सव के दौरान उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं व बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। नवरात्रोत्सव के दौरान महिलाओं ने मां जगदंबा की पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं बच्चों ने अतिथियों के स्वागत-सत्कार से लेकर पंडाल परिसर की स्वच्छता बनाये रखने और आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मान समारोह में मंडल की आयोजन समिति के प्रमुख मुकलेश गिरी ने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि नवरात्रोत्सव को सफल बनाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। मां जगदंबा की स्थापना से लेकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन तक महिलाओं ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ सहयोग किया। उन्होंने बच्चों की सेवाभावना, अनुशासन तथा स्वच्छता के प्रति उनकी जिम्मेदारी की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी उनमें सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे संस्कार विकसित करने में सहायक होती है। युवा मित्र मंडल की ओर से आयोजित इस सम्मान समारोह के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के योगदान को पहचान देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया गया।

रोटरी क्लबों द्वारा विक्रमगढ़ में निःशुल्क अतिविशेषज्ञीय चिकित्सा शिविर आयोजित



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण एवं जरूरतमंद नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार 23 अक्टूबर को ग्राम पंचायत कार्यालय, देहरा, तहसील विक्रमगढ़ में निःशुल्क अतिविशेषज्ञीय चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। रोटरी क्लब ऑफ मुंबई शेर पंजाब, मुंबई कादिवली एवं बोईसर-तारापुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में आस्था हॉस्पिटल, मनोर तथा अधिकारी लाइफलाइन हॉस्पिटल, बोईसर ने सहयोग दिया। सुबह 9:30 बजे से शाम 4 बजे तक चले शिविर में स्त्री रोग, बाल रोग, सामान्य चिकित्सा, नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद जाँच और दंत चिकित्सा सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। जरूरतमंद मरीजों को दवाइयों रोटरी क्लब ऑफ मुंबई घाटकोपर वेस्ट तथा पोषक आहार सप्लीमेंट्स चिंगारी शक्ति फाउंडेशन की ओर से प्रदान किये गए। शिविर में रोटरी क्लब ऑफ मुंबई शेर पंजाब की अध्यक्ष सुनीता बेदी, रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष एवं दंत चिकित्सक डॉ. प्रवीण वैश्य, क्लब के पूर्व अध्यक्ष राकेश मिश्रा सहित विभिन्न रोटरी क्लबों के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सहभागिता की। चिकित्सा समन्वयक डॉ. अविनाश सोनावणे के मार्गदर्शन में शिविर का संचालन किया गया। इस पहल से ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और स्वास्थ्य जाँच कराने का अवसर मिला। रोटरी क्लबों ने इस संयुक्त पहल के माध्यम से जनस्वास्थ्य एवं समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



प्रजापति
फॅब्रीकेशन अॅण्ड गिलवर्क्स
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS,
ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR &
ALLUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD,
ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

93245 26742
98200 55193
93227 55403

पालकमंत्री गणेश नाईक ने जनता दरबार में सुनीं लोगों की समस्याएं

जनता दरबार में प्राप्त हुए 1058 आवेदन, संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश

पालाघर(उत्तरशक्ति)। नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित जनता दरबार में महाराष्ट्र के वनमंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने नागरिकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिला अधिकारी कार्यालय स्थित लोकशाहीर आत्माराम पाटील जिला नियोजन समिति सभागार में आयोजित इस जनता दरबार में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कुल 1058 आवेदन प्राप्त हुए।

जनता दरबार में राजस्व, जलापूर्ति, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि संबंधी शिकायतों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े मुद्दे नागरिकों ने उठाये। पालकमंत्री गणेश नाईक ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पालकमंत्री गणेश नाईक ने कहा कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रालय के चक्कर लगाने की नौबत नहीं आनी चाहिए। नागरिकों की समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर ही होना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों



को निर्देश दिया कि वे जनता की शिकायतों को गंभीरता से लें और उनका जल्द से जल्द निपटारा करें।

उन्होंने कहा कि जिले के नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। इसलिए हर मामले को संवेदनशीलता के साथ लेते हुए उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे पालकमंत्री के समक्ष रखीं। कई मामलों में तत्काल निर्णय लिए जाने से नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया। नागरिकों की समस्याओं को शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के

बीच समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी पालकमंत्री ने दिए। जनता दरबार में विधायक राजेंद्र गावित, विधायक हरिश्चंद्र भोये, जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश निकम, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे उपजिलाधिकारी (सामान्य प्रशासन) रणजीत देसाई सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

काशीमीरा में श्री सत्यनारायण महापूजा एवं विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

♦ओम साई आशीर्वाद सेवा संस्था एवं युवराज फाउंडेशन की पहल; पत्रकार तारकेश्वर पांडे का पटका-चुनरी भेंटकर किया सम्मान

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा स्थित जयनगर, न्यू ग्रीनवुड बिल्डिंग के सामने रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को ओम साई आशीर्वाद सेवा संस्था एवं युवराज फाउंडेशन की ओर से श्री सत्यनारायण भगवान की महापूजा एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। शाम 7 बजे से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की और प्रसाद



ग्रहण किया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने माता रानी एवं मां जगदंबा के दर्शन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस कार्यक्रम के आयोजक शिवसेना प्रवक्ता राम भवन शर्मा एवं युवराज राम भवन शर्मा, राजीव शर्मा सहित और अन्य

सहयोगियों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के पत्रकार तारकेश्वर पांडे भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने मां जगदंबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान आयोजक राम भवन शर्मा ने पत्रकार तारकेश्वर पांडे, उपस्थित अजीत उपाध्याय, मिथिलेश मिश्रा को पटका एवं चुनरी भेंटकर सम्मानित किया। धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक एकता के संदेश के साथ संपन्न हुए इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा और भक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया।

कोप भवन और श्रीराम वनवास की मार्मिक लीला ने दर्शकों को किया भावुक

♦श्री आदर्श रामलीला उप समिति बोरीवली के मंचन में छलकें श्रद्धालुओं के आसू, जय श्रीराम के जयघोष से गुंजा रामलीला मैदान बोरीवली (उत्तरशक्ति)। श्री

आदर्श रामलीला उप समिति बोरीवली के तत्वावधान में पंडित रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली (पश्चिम) में रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को कोप भवन तथा श्रीराम वनवास की लीला का अत्यंत मार्मिक मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय और प्रभावशाली संवादों के माध्यम से रामायण के इस भावुक प्रसंग को जीवंत कर दिया। मंचन के दौरान पूरा रामलीला मैदान हज्जय श्रीरामह्व के जयघोष से गुंज उठा। राजा दशरथ की व्याकुलता और कैकेयी की ज़िद ने दर्शकों को किया भावुक रामलीला के प्रसंग के अनुसार, रानी कैकेयी राजा दशरथ से अपने दो वरदान मांगती हैं। पहले वरदान में वे भरत के लिए अयोध्या का राजसिंहासन और दूसरे वरदान में भगवान श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगती हैं। कैकेयी की यह मांग सुनकर राजा दशरथ व्याकुल हो उठते हैं। वे कैकेयी को समझाने का भरसक प्रयास करते हैं, लेकिन कैकेयी अपने निर्णय पर अडिग रहती हैं।



जब भगवान श्रीराम को वनवास के बारे में जानकारी मिलती है, तो वे पिता के वचन की मयादां बनाए रखने के लिए बिना किसी विरोध के वन जाने को तैयार हो जाते हैं। उनके साथ माता सीता और अनुज लक्ष्मण भी वन जाने का संकल्प लेते हैं। श्रीराम के वन गमन के दृश्य का इतना मार्मिक चित्रण किया गया कि रामलीला देख रहे अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। त्याग, मयादां और कर्तव्य पालन का दिया संदेश इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने समाज को संदेश दिया कि माता-पिता का सम्मान, वचन की मयादां, त्याग और कर्तव्य का पालन जीवन के महत्वपूर्ण आदर्श हैं। भगवान श्रीराम का चरित्र आज भी समाज को सत्य, धर्म और आदर्श जीवन के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने

बढ़ाई कार्यक्रम की गरिमा रामलीला के इस भावपूर्ण मंचन को देखने के लिए बड़ी संख्या में रामभक्त एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भागपा मुंबई प्रवक्ता बृजमोहन पांडेय, नवभारत के संपादक निनेश ठक्कर, श्रीमती नीलाबेन सोनी, गुरु सिंह, शंकर सिंह राजपूत तथा मुंबई भाजपा लीगल सेल से जुड़े पूर्व एसीपी एड. अमित मेहता सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में समिति के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय एवं समस्त आयोजन समिति ने उपस्थित अतिथियों और रामभक्तों का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। श्रीराम के आदर्शों और भक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन ने श्रद्धालुओं के मन पर गहरी छाप छोड़ी।

श्री काशी महादेव मंडल की माता की चौकी एवं महाभंडारे में उमड़े श्रद्धालु

♦भक्ति संगीत से भक्तिमय हुआ माहौल, आयोजक मंगल गांधी ने पत्रकार तारकेश्वर पांडे को अंगवस्त्र भेंटकर किया सम्मानित

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशी मीरा में श्री काशी महादेव मंडल के तत्वावधान में माता की चौकी एवं महाभंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर माता रानी के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्ति संगीत से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेने के साथ महाभंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के पत्रकार तारकेश्वर पांडे ने भी उपस्थित होकर माता रानी के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक मंगल गांधी ने पत्रकार तारकेश्वर पांडे को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। माता की चौकी के दौरान भक्तिमय गीतों और भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं, महाभंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक एकता



का संदेश दिया गया। श्री काशी महादेव मंडल की ओर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भागीदारी और उत्साह देखने को मिला। माता रानी के जयकारों के बीच कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

एयर शो के दौरान नमो घाट के हेलीपैड के पास पकड़ा गया फर्जी कैप्टन, जेल भेजा गया युवक

संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर आदमपुर पुलिस ने की कार्रवाई, पूछताछ में अर्पित चतुर्वेदी के रूप में हुई पहचान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मुँ उसके कैप्टन के पद पर नहीं जनपद के नमो घाट पर शनिवार होने की बात सामने आई। पुलिस ने



को आयोजित एयर शो के दौरान हेलीपैड के पास संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे एक युवक को आदमपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवक खुद को कैप्टन अर्पित बता रहा था, लेकिन जांच

मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, एयर शो देखने के लिए काशी के विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे

पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालयीय वालीबाल प्रतियोगिता के लिए पीयू टीम खाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की पुरुष वालीबाल टीम

के. सिंह ने खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर खाना किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया।



अखिल भारतीय पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालयीय वालीबाल (पुरुष) प्रतियोगिता 2026-27 में प्रतिभाग हेतु आज अंडमास विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के लिए खाना हुई। टीम को विदाई देते समय कुलपति प्रो. आर.

कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में सच्ची खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना के साथ भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने टीम को बेहतर प्रदर्शन एवं विजय की शुभकामनाएं दीं।

कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने

थे। इसी दौरान नमो घाट स्थित हेलीपैड के पास एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर सक्रिय हुई आदमपुर पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया।

पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम कैप्टन अर्पित बताया। पुलिस ने उसकी पहचान और पद के संबंध में जांच की तो उसकी पहचान अर्पित चतुर्वेदी पुत्र सिद्धार्थ चतुर्वेदी के रूप में हुई। वह कैट थाना क्षेत्र के जजिद बाजार में पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के पास का निवासी बताया गया है।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। एयर शो के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस की सतर्कता से संदिग्ध युवक के खिलाफ कार्रवाई की गई।

कहा, 'खेल केवल जीत-हार का नहीं, बल्कि अनुशासन, संयम, टीम भावना और चरित्र निर्माण का माध्यम है। हमारे खिलाड़ी प्रतियोगिता में अपनी क्षमता का पूर्ण प्रदर्शन करें और विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित करें।'।

पुरुष वालीबाल टीम के टीम मैनेजर डॉ. सत्य प्रकाश सिंह तथा टीम कोच दिलीप कुमार हैं। विश्वविद्यालय की खेल परिषद नियमित रूप से अंतर-विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। इस अवसर पर खेलकूद प्रभारी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के महामंत्री राधेश्याम सिंह (मुन्ना), खेल सहायक रजनीश सिंह, डॉ. राजेश सिंह, जितेन्द्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

मछलीशहर पुलिस ने तीन बाइक चोरों को किया गिरफ्तार, चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की चार

बाइक सवार ने अस्पताल की ओर जाने वाली सड़क पर अचानक मुड़ने का प्रयास किया, जिससे वह असंतुलित होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर



मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 24 अक्टूबर की रात मछलीशहर पुलिस टीम चुंगी चौगहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान काले और लाल रंग की बिना नंबर प्लेट वाली एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस को देखकर

पूछताछ शुरू की। पकड़े गए आरोपी की पहचान दशरथ प्रजापति पुत्र उमाशंकर प्रजापति, निवासी टैकारडीह, थाना मछलीशहर, जौनपुर के रूप में हुई। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि जमील अहमद पुत्र अब्दुल कलाम, निवासी नोनरा खुर्द, थाना मछलीशहर, अलग-अलग स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी कर उसे देता था। उसने एक मोटरसाइकिल राकेश यादव उर्फ व्यापारी को बेचने के लिए देने की बात भी बताई। इसके अलावा दो मोटरसाइकिलें जमील के

बाई मोहम्मद मोबिन के घर पर रखे होने की जानकारी दी।

पुलिस ने मिली जानकारी के आधार पर मोहम्मद मोबिन और राकेश यादव के घर पर दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस के प्रेस नोट में कुल चार चोरी की मोटरसाइकिल बरामद होने की जानकारी दी गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दशरथ प्रजापति, मोहम्मद मोबिन पुत्र अब्दुल कलाम तथा राकेश यादव उर्फ व्यापारी पुत्र बाबूलाल यादव, निवासी नोनरा खुर्द, थाना मछलीशहर, जौनपुर के रूप में हुई है। इस मामले में थाना मछलीशहर में मुकदमा अपराध संख्या 339/2026 के तहत बीएसएस की धारा 317(2), 317(4) और 317(5) में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया। गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विनोद कुमार चतुर्वेदी, आरक्षी श्यामू कुमार चौहान, राम सिंह, नीरज कुमार राजभर, अमरजीत और जितेंद्र यादव शामिल रहे।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

जितेन्द्र कन्नौजिया, केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के कनवानी गांव के पास रविवार दोपहर बाइक की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की मौत हो गई, जबकि बाइक सवार घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बधाई कारकिर्या गांव निवासी पवारराम (60) रविवार दोपहर साइकिल से अपनी दुकान पराऊगंज जा रहे थे। कनवानी गांव के पास सामने से आ रही बाइक ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में पवारराम गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बाइक सवार महताब को भी चोटें आईं। दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने पवारराम को मृत घोषित कर दिया। वृद्ध की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, घायल महताब का उपचार जारी है।

पामिस्टा-2026 में कलात्मक प्रतियोगिताएं सपन्न, प्रतिभावान छात्रों ने जीते सैंकड़ों पुरस्कार

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। द पाम एकेडेमी ने इंटर स्कूल प्रतियोगिता के मेगा इवेंट 'पामिस्टा-2026' का आयोजन 24 अक्टूबर 2026 को स्कूल के मुख्य परिसर, करेलाबाग, प्रयागराज में किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैलेंटाइन मैसी प्रिंसिपल, टी.एम.पी.एस.इंटरनेशनल स्कूल, प्रयागराज थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हसन नकवी अध्यक्ष-इलाहाबाद पर्यटन विकास समिति एवं सदस्य-पूर्वांचल पर्यटन बोर्ड, यू.पी.पर्यटन तथा द पाम एकेडेमी के संस्थापक डॉ.वालीउल्लाह सिद्दीकी निदेशक एवं ग्रेटरोएंटेरोलॉजिस्ट, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं डॉ जाहेदा खानम रहे इन कला प्रतियोगिताओं के निर्णायक

अकादमी, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश एवं डॉ जाहेदा खानम की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों की कला को परखा और प्रतिभा को सराहा। अतिथियों एवं जजों ने विजेता प्रतिभावान

विद्यार्थियों को मेडल, ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया। इस मेगा इवेंट में मेजबान स्कूल के साथ-



साथ शहर के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से बांयज

हाई स्कूल एंड कॉलेज, महर्षि विद्या मंदिर, ए.एस.कॉन्वेंट स्कूल, वाईएमसीए सेंटनरी स्कूल एंड

रहे। यह आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा, नवाचार और टीमवर्क को प्रदर्शित करने का एक शानदार मंच साबित हुआ। अंत में पामिस्टा-2026 का औपचारिक समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यक्रम के सबसे स्मरणीय क्षण वे रहे जब मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, जज एवं संस्थापक ने अपने प्रेरणादायक वचनों से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

द पाम एकेडेमी के निदेशक आलमुल्लाह सिद्दीकी, सालेहा मदनी, प्रधानाचार्या फौजिया साहिल एवं उप-प्रधानाचार्य मोहम्मद सगीर ने कार्यक्रम को अवিসमरणीय बनाने के लिए सभी आदरणीय अतिथियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

रामकथा सुनने गया था परिवार, घर का ताला तोड़कर जेवर चोरी करमे में बिखरा मिला सामान, वापस लौटने पर हुई घटना की जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के गोधना गांव में परिवार के रामकथा सुनने जाने के दौरान चोरों ने घर को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। कमरे का ताला टूटा और सामान बिखरा मिलने पर परिवार के लोगों को चोरी की जानकारी हुई।

पीड़ित नीलेश सिंह पुत्र शरद कुमार सिंह के अनुसार, 24 अक्टूबर को वह सपरिवार शाम करीब तीन बजे बीआरपी मैदान में आयोजित रामकथा सुनने गए थे। शाम करीब 7:45 बजे उनकी चाची नंदिनी सिंह जब घर की दूसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में पहुंचीं, तो ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर सोने और चांदी के आभूषण गायब मिले। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई। चोरी गए आभूषणों की वास्तविक कीमत और मामले से संबंधित अन्य तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

PET-2026 परीक्षा केंद्रों का डीएम ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नकलविहीन और पारदर्शी परीक्षा कराने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2026 को सकुशल, निष्पक्ष और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी



सैमुअल पाल एन ने रविवार को टीडी इंटर कॉलेज और जनक कुमारी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा पारदर्शी एवं सुचितपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाए। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता और परीक्षार्थियों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के साथ शासन एवं आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

लखनऊ जिला कोर्ट में वकीलों के चैंबरों पर चला बुलडोजर, अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। जिला न्यायालय परिसर में रविवार को हाईकोर्ट के आदेश पर नगर निगम ने वकीलों के चैंबरों को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की। मौके पर 10 बुलडोजर और 10 हाइवा लगाए गए, जबकि सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। नगर निगम ने 245 चैंबरों को चिह्नित कर नोटिस जारी किए हैं। कार्रवाई के विरोध में वकील सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। अधिवक्ताओं का कहना है कि वे पिछले 15 से 20 वर्षों से इन चैंबरों में प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से चैंबर हटाने से पहले वैकल्पिक बैठने की व्यवस्था करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनकी रोजी-रोटी प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

वाराणसी में अरविंद मिल्स के नए प्लांट का शुभारंभ, पूर्वांचल में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिर्जामुराद के खोचवां में किया लोकार्पण, 300 से अधिक महिलाओं को मिल में दिया जा रहा प्रशिक्षण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के मिर्जामुराद स्थित खोचवां में अरविंद लिमिटेड के नए मैनुफैक्चरिंग प्लांट का शुभारंभ किया। करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 7 से 8 एकड़ क्षेत्र में स्थापित इस औद्योगिक इकाई से पूर्वांचल में रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने प्लांट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं से संवाद किया और उनके कार्यों, अनुभवों तथा चुनौतियों के बारे में जानकारी ली।

अहमदाबाद, गुजरात की प्रमुख कपड़ा निमाता कंपनी अरविंद लिमिटेड का यह पूर्वांचल में पहला बड़ा मैनुफैक्चरिंग प्लांट बताया जा रहा है। इस इकाई के शुरू होने से क्षेत्र में कपड़ा एवं परिधान निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलने के साथ ही स्थानीय युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। कंपनी की ओर से स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए अब तक 300 से अधिक महिलाओं को भर्ती कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

दो चरणों में होगा प्लांट का विकास- कंपनी की इस परियोजना को दो चरणों में विकसित किए जाने की योजना है। आगामी चरणों में उत्पादन क्षमता और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने की उम्मीद है। यहां स्पोर्ट्स वियर, इनरवियर सहित विभिन्न प्रकार के परिधानों का निर्माण किया जाएगा। जाँकी,

इस औद्योगिक इकाई से वाराणसी के साथ-साथ आसपास के जिलों के लोगों को भी लाभ मिलने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने से रोजगार के साथ परिवहन, आपूर्ति, पैकेजिंग और अन्य सहायक सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।

कामगार महिलाओं से प्रधानमंत्री ने किया संवाद- प्लांट के लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां मौजूद अधिकारियों और कंपनी के पदाधिकारियों

से उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने तैयार किए जा रहे कपड़ों, उनके निर्माण में

स्पोर्ट्स वियर और इनरवियर का होगा उत्पादन, जाँकी, यूएस पोलो और एरो जैसे ब्रांड्स के कपड़े बनेंगे



इस्तेमाल होने वाली सामग्री और विभिन्न उत्पादों की विशेषताओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

प्रधानमंत्री ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं महिलाओं से सीधे बातचीत करते हुए उनके कामकाज, प्रशिक्षण और कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछा। महिलाओं के हुनर और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हुए इस संवाद में उनके अनुभवों को जाना गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अरविंद लिमिटेड की ओर से लगाए गए उत्पादों के

प्रदर्शन का भी अवलोकन किया।

कपड़ा उद्योग में कंपनी की लंबी परंपरा- अरविंद लिमिटेड की शुरूआत वर्ष 1931 में हुई थी। कंपनी का मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में स्थित है। कंपनी डेनिम, सूती और लिनेन के कपड़ों के साथ विभिन्न प्रकार के फैब्रिक, तैयार परिधान तथा औद्योगिक उपयोग के विशेष वस्त्रों के कारोबार से जुड़ी है। इसके उत्पाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिधान बाजारों में भी इस्तेमाल किए जाते हैं।

वाराणसी में नए प्लांट की स्थापना को पूर्वांचल में कपड़ा एवं परिधान निर्माण क्षेत्र के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलने और स्थानीय स्तर पर कुशल श्रमिकों की मांग बढ़ने की संभावना है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी रहे मौजूद- इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा कंपनी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व मिर्जामुराद के खोचवां पहुंचने पर हेलीपैड पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। नए मैनुफैक्चरिंग प्लांट के शुभारंभ से वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार, कौशल विकास तथा परिधान उद्योग को विस्तार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सोनभद्र में युवा रालोद ने दिखाई ताकत, रविन्द्र पटेल ने भरा जोश

युवा संवाद में किसानों, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी पर दिया जोर

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विवेकानंद प्रेक्षागृह में शनिवार को आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पटेल ने युवाओं और किसानों से संगठन से जुड़कर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी को उत्साहजनक बताया और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

युवा रालोद के प्रयागराज क्षेत्रीय महासचिव पवन शुक्ला के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष रामसेवक सिंह पटेल ने की। संचालन अभय सिंह पटेल और मदीप सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह उर्फ पंचू पटेल ने आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम से पहले हिन्दुआरी और काशी विश्वनाथ जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया।



तिराहे पर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने मां शीतला मंदिर में दर्शन-पूजन किया और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विवेकानंद प्रेक्षागृह में आयोजकों ने उन्हें पगड़ी पहनाकर

इस अवसर पर शिवशंकर पाण्डेय, विवेक चतुर्वेदी, विनोद पटेल, विजय भारती, प्रशान्त विष्णु प्रताप सिंह, चन्द्रभान सिंह पटेल, सचिन गुप्ता, सूरज चौबे, कलावती देवी सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और महिलाएं मौजूद रहीं।

केराकत में 200 वर्ष पुराने महुआ के पेड़ से हादसे का खतरा, कटान के लिए लगाई गुहार

समाधान दिवस में दोबारा पहुंचा मामला, मकान पर पेड़ गिरने की आशंका से चिंतित है फरियादी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के इटली बाजार में सड़क किनारे खड़ा करीब 150 से 200 वर्ष पुराना महुआ का पेड़ हादसे का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासी सतीश चन्द्र मौर्या ने पेड़ को हटवाने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई है।

आवेदक के अनुसार, पेड़ उनके मकान के ठीक सामने सड़क किनारे स्थित है। उन्होंने पेड़ के मकान पर गिरने और दुर्घटना होने की आशंका जताते हुए संबंधित अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

बताया गया कि इस संबंध में पूर्व विधायक से लेकर

जल्द कराने की मांग की है।



हैंडपंप पर नहा रहे युवक को ट्रैक्टर ने रौंदा, अस्पताल में मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के दरियागंज गांव में एक दर्दनाक हादसे में 30 वर्षीय संजय यादव की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, संजय यादव गांव में हैंडपंप पर नहा रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर के पीछे लगे तावाफार की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन और स्थानीय लोग घायल संजय को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हादसे के कारणों और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

मुफ्ती मोहल्ले में सड़क और नाली निर्माण को लेकर सर्वे, स्थानीय लोगों को विकास कार्यों की उम्मीद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के वाई नंबर 35, मुफ्ती मोहल्ले में सड़क और नाली से संबंधित समस्याओं को लेकर आज मंत्री जी के पीआरओ मनीष श्रीवास्तव ने क्षेत्र का सर्वे किया। इस दौरान मोहल्ले की विभिन्न सड़कों और नालियों की स्थिति का जायजा लिया गया।

सर्वे के दौरान मतीन दूध वाले के यहां से अली घाट रोड तक तथा सुनील-अनिल के बड़े भाई पटवा के यहां से खालिक दूध वाले तक की सड़क का निरीक्षण किया गया। क्षेत्र में सड़क और नाली से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए स्थानीय लोगों को विकास कार्यों की उम्मीद है। इस अवसर पर भाजपा की पूर्व सभासद प्रत्याशी श्रीमती तलत जहरा, बूथ अध्यक्ष



शाहबाज हुसैन शिराजी सहित अन्य स्थानीय लोग और क्षेत्र के शुभचिंतक मौजूद रहे। स्थानीय स्तर पर सड़क एवं नाली की समस्याओं के समाधान के लिए किए गए इस सर्वे को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब क्षेत्रवासियों को संबंधित विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई और विकास कार्यों की शुरूआत का इंतजार है।

